सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय,

वाराणसी

ग्रन्थालय एवं सूचना विज्ञान विभाग

ग्रन्थालय एवं सूचना विज्ञान शास्त्री

(B.L.I.Sc.)

संशोधित पाठ्यक्रम रूपरेखा

आधुनिक ज्ञान विज्ञान संकाय

सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय, वाराणसी

सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय, वाराणसी

ग्रन्थालय एवं सूचना विज्ञान शास्त्री

(B.L.I.Sc.)

प्रवेश नियम :-

1) इस परीक्षा का नाम ग्रन्थालय एवं सूचना विज्ञान शास्त्री (बी० एल० आई० एस सी०) होगा।
2) यह उपाधि उस स्नातक को दी जायेगी जिसने इसके लिये निर्धारित व्याख्यानों तथा व्यावहारिक शिक्षा में एक सम्पूर्ण शैक्षणिक सत्र तक विश्वविद्यालय में अध्ययन कर परीक्षा उत्तीर्ण की है ।
3) " ग्रन्थालय एवं सूचना विज्ञान शास्त्री" में प्रवेश हेतु अपेक्षित न्यूनतम अर्हता सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय की शास्त्री उपाधि अथवा विधि द्वारा संस्थापित विश्वविद्यालय की त्रिवर्षीय स्नातक परीक्षा तीनों वर्षों में संस्कृत विषय के साथ उत्तीर्ण होना आवश्यक है।
   नोट: तीनों वर्षो में संस्कृत से अभिप्राय संस्कृत को मुख्य / कोर विषय के रूप में अध्ययन किया गया हो।
4) विश्वविद्यालय के ग्रन्थालय एवं सूचना विज्ञान विभाग में स्थान की संख्या 38 निर्धारित है ।
5) प्रदेश के बाहर के अधिकतम 5 प्रतिशत अभ्यर्थियों को श्रेष्ठता सूची के आधार पर अर्हता होने की दशा में प्रवेश दिया जा सकता है । यदि श्रेष्ठता सूची के अनुसार प्रदेश के बाहर अर्ह छात्र उपलब्ध नहीं होते हैं तो सामान्य श्रेष्ठता सूची के आधार पर रिक्तियाँ भरी जायेंगी।
6) प्रवेश परीक्षा/मेरिट के माध्यम से ही " ग्रन्थालय एवं सूचना विज्ञान शास्त्री" कक्षा में प्रवेश लिया जायेगा ।
7) इस पाठ्यक्रम में प्रवेश प्राप्त छात्रों के लिये कक्षाओं में 75 प्रतिशत उपस्थिति आवश्यक है, इससे कम होने पर छात्र परीक्षा से वंचित हो सकता है ।
8) पाठ्यक्रम के परीक्षा संबंधी सभी नियम विश्वविद्यालय के स्नातक पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित नियम से संचालित होंगे ।
9) उक्त पाठ्यक्रम स्नातक स्तर का होगा। पाठ्यक्रम की अवधि एक वर्ष की होगी जो दो (2) सेमेस्टर में पूर्ण हो!गा । इस पाठ्यक्रम में कुल 8 प्रश्न पत्र होंगे । प्रथम सेमेस्टर में चार (4) प्रश्न पत्र एवं द्वितीय सेमेस्टर में चार (4) प्रश्न पत्र होंगे । प्रत्येक प्रश्न पत्र 100-100 अंक के होंगे।आंतरिक मूल्यांकन एसाइन्मेण्ट, सेमिनार, प्रजेन्टेशन, क्लास टेस्ट के आधार पर किया जायेगा।
10) प्रत्येक छात्र/छात्राओं को प्रवेश हेतु विश्वविद्यालय द्वारा निर्धारित शुल्क देय होगा ।

पाठ्यक्रम के उद्देश्य

i. इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य छात्रों को नवीनतम तकनीक, पुस्तकालय प्रबंध, वर्गीकरण, कैटलॉगिंग, सूचना स्रोतों और पांडुलिपि विज्ञान के अध्ययन सहित पुस्तकालय और सूचना विज्ञान में उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए प्रेरित और मार्गदर्शन करना है।

ii. यह सूचना विज्ञान के ऐतिहासिक और सैद्धांतिक आधारों का वर्णन करता है, जो छात्र को अच्छी तरह से पुस्तकालय के क्रियाकलाप को प्राप्त करने के लिए आवश्यक कौशल प्राप्त करेंगे और पुस्तकालय और सूचना केंद्र के प्रदर्शन का मूल्यांकन करने के लिए कौशल विकसित करेंगे, जिससे उनके प्रदर्शन की व्यावसायिकता सुनिश्चित की जा सकेगी।

iii. छात्र पुस्तकालय और सूचना विज्ञान की सामाजिक, सांस्कृतिक और शैक्षिक पहलुओं की गहरी समझ विकसित करेगा ।

iv. छात्र को सूचना और इसके उपयोग के कानूनी, नैतिक, राजनीतिक और आर्थिक पहलुओं के बारे में जागरूकता विकसित करेंगे, जिससे उनके उपयोग में जिम्मेदारी की भावना होगी।

v. छात्रो को उपयोगकर्ताओं की सूचना संचालन कौशलों को बढ़ाने के लिए पूर्णता प्राप्त की जाएगी, जिससे उन्हें सूचना संसाधनों का दक्षता से प्रयोग करने में समर्थ बनाया जा सकेगा।

vi. यह पाठ्यक्रम छात्रों को मजबूत और संघटित शिक्षा प्रदान करता है, जो पेशेवर क्षेत्र की तुरंत और दीर्घकालिक आवश्यकताओं को परिपूर्ण करता है।

पाठ्यक्रम के परिणाम

i. छात्र इस पाठ्यक्रम के पूरा होने के बाद विभिन्न पुस्तकालयों में निचले से लेकर मध्य स्तरीय प्रबंध पदों पर कार्य कर सकेंगे, चाहे वो शैक्षिक, सार्वजनिक, या विशेष क्षेत्र में हो।

ii. वे दैनिक पुस्तकालय संचालन, पुस्तकालय की सेवाओं का प्रबंध, और पुस्तकालय उपयोगकर्ताओं को संदर्भ, पुनर्प्राप्ति, और सूचना सेवाओं को दक्षता से प्रदान करने के लिए तैयार होंगे।

iii. वे उपयोगकर्ताओं के छोटे समुदाय की आवश्यकताओं के लिए विशिष्ट सूचना पुनर्प्राप्ति प्रणाली का डिज़ाइन और विकास करने में सक्षम होंगे।

iv. इससे छात्रो को पाण्डुलिपियों के आधार, भारत के प्रमुख प्राचीन लिपियों एवं उनके वर्गीकरण तथा सूचीकरण के परम्परागत विधियां का बोध होने के साथ साथ पाण्डुलिपियों का आधुनिक तकनीक से उनके संरक्षण एवं परिरक्षण से परिचय होगा ।

29/11/22

कोर्स आउटकम

- पुस्तकालय के अवधारणा, प्रकार, विकास और समाज में महत्व, व्यावसायिक नैतिकता, पुस्तकालय विज्ञान के पंच सूत्र, पुस्तकालय नियम और पुस्तकालय संघों की भूमिका आदि से परिचय तथा ज्ञान प्राप्त करेगे ।
- पुस्तकालय प्रबंधन के अवधारणा, सिद्धांत, विभिन्न विभागो की कार्य पद्धति, वित्तीय स्त्रोत, मानव संसाधन, पुस्तकालय सांख्यिकी तथा प्रतिवेदनआदि महत्वपूर्ण पुस्तकालय प्रबंधन गतिविधियों से अवगत होंगे ।
- पुस्तकालय वर्गीकरण के अवधारणा, कार्य एवं आवश्यकता, विभिन्न पुस्तकालय वर्गीकरण पद्धति (दशमलव एवं द्विबिंदु वर्गीकरण), द्विबिंदु तथा दशमलववर्गीकरणपद्धति के सैद्धांतिक एवं तुलनात्मक पक्ष की ज्ञान की प्राप्ति होगी ।
- वर्गीकरण पद्धति (दशमलव एवं द्विबिंदु वर्गीकरण) का प्रयोगात्मक अभ्यास के द्वारा शीर्षकों का वर्गीकरण करने की तकनीक एवं कौशल का ज्ञान प्राप्त होगा, विभिन्न डिवाइसेस का उपयोग करने की विधि द्वारा काल नंबर का निर्माण तथा विभिन्न सारणियों का प्रयोग के ज्ञान प्राप्त कर वर्गीकरण मे कौशल निपूर्ण होंगे तथा ज्ञान व्यवस्थापन मे दक्ष होंगे ।
- पुस्तकालय सूचीकरण के अभिप्राय, प्रकार एवं विभिन्न स्वरूप तथा विकास एवं सूची संहिता के विभिन्न प्रावधानो के सैद्धांतिक रूप से अवगत होंगे एवं वर्तमान युग मे सूचीकरण की दिशा मे हो रहे परिवर्तन से भी परिचित होंगे।
- AACR-२ के प्रावधानों के अंतर्गत ग्रंथों, पत्रिकाओ तथा अन्य पाठ्य सामग्रियों के सूचीकरण अभ्यास के द्वारा सूचना पुनर्प्राप्ति प्रक्रिया मे दक्षता प्राप्त करेगे ।
- सूचना स्त्रोत तथा पुस्तकालय प्रदत्त सेवाओ से अवगत होंगे एवं साथ-साथ सूचना स्त्रोत की मूल्यांकन मानदंड, एवं सूचना खोज के विभिन्न तकनीकों से भी अवगत होंगे, पुस्तकालय मे प्रौद्योगिकी का अनुप्रयोग एवं डिजिटल लाइब्रेरी के बारे मे ज्ञान प्राप्त करेगे ।
- पाण्डुलिपि विज्ञान के अवधारणा, विषयक्षेत्र एवं आधार से अवगत होंगे, पाण्डुलिपि खोज का इतिहास, प्राचीन भारतीय लिपियों तथा परम्परागत वर्गीकरण एवं सूचीकरण के संबंध मे ज्ञान प्राप्त करेगे तथा पाण्डुलिपि के संरक्षण के महत्त्व एवं विभिन्न तकनीक तथा उपाय से भी अवगत होंगे ।

सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय, वाराणसी

ग्रन्थालय एवं सूचना विज्ञान शास्त्री

(B.L.I.Sc.)

सेमेस्टरवार विभाजन

सेमेस्टर I

प्रश्नपत्र	प्रश्नपत्र शीर्षक	सिद्धांत	आंतरिक	प्रायोगिक	मौखिक एवं सत्रीय कार्य	सम्पूर्ण	क्रेडिट
		अंक	अंक	अंक	अंक	अंक	-
I	पुस्तकालयएवं सूचना विज्ञान के मूलाधार	75	25	-	-	100	4
II	पुस्तकालय प्रबंध	75	25	-	-	100	4
III	पुस्तकालय वर्गीकरण(सिद्धांत)	75	25	-	-	100	4
IV	पुस्तकालय वर्गीकरण (प्रायोगिक)	-	-	60	40	100	4
	योग					400	16

सेमेस्टर- II

प्रश्नपत्र	प्रश्नपत्र शीर्षक	सिद्धांत	आंतरिक	प्रायोगिक	मौखिक एवं सत्रीय कार्य	सम्पूर्ण	क्रेडिट
		अंक	अंक	अंक	अंक	अंक	-
V	पुस्तकालय सूचीकरण (सिद्धांत)	75	25	-	-	100	4
VI	पुस्तकालय सूचीकरण (प्रायोगिक)	-	-	60	40	100	4
VII	सूचना स्त्रोत, सेवाएं और प्रौद्योगिकी	75	25	-	-	100	4
VIII	पाण्डुलिपि विज्ञान	75	25	-	-	100	4
	योग					400	**16**
		सम्पूर्णयोग (प्रथमऔर द्वितीय सेमेस्टर) 800					

सेमेस्टर-I

क्रेडिट 4 **पूर्णांक:75+25=100**

प्रथम प्रश्नपत्र

पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान के मूलाधार

इकाई १

- पुस्तकालय एवं सूचना केंद्र की अवधारणा एवं समाज में भूमिका
- पुस्तकालय प्रकार एवं कार्य: सार्वजनिक, शैक्षणिक एवं विशिष्ट
- पुस्तकालय विज्ञान के पंचसूत्र एवं उनके निहितार्थ

इकाई २

- भारत में पुस्तकालय आंदोलन एवं विकास
- पुस्तकालय अधिनियम : आवश्यकता एवं कार्य तथा उत्तर प्रदेश सार्वजनिक पुस्तकालय अधिनियम की प्रमुख विशेषताएं
- पुस्तकों के वितरण और समाचार पत्र (सार्वजनिक पुस्तकालय) अधिनियम, 1954 एवं 1956 (डिलिवरी ऑफ बुक एंड न्यूज पेपर एक्ट)

इकाई ३

- पुस्तकालय के व्यवसायिक संगठन एवं संघ- आईएलए, आईस्लिक, इफ्ला, आरआरआर एल एफ
- सूचना प्रणाली और कार्यक्रम- निस्केयर, डेसीडॉक, नेसडॉक

इकाई ४

- पुस्तकालय प्रचार-प्रसार सेवाएं
- पुस्तकालय संसाधन सहभागिता

इकाई ५

- राष्ट्रीय पुस्तकालय उद्देश्य एवं कार्य ,
- भारतीय राष्ट्रीय पुस्तकालय कोलकाता
- पुस्तकालय नियम

संस्तुत ग्रन्थ :-

1. चौधरी, के.के., चक्रवर्ती, एच.के., और किशोर, ए. (2018).पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान के मूलाधार.आगरा. वाई के पब्लिशर्स.
2. शर्मा, बी० के० , ठाकुर, यू०एस०, एवं लाल, सी ० : ग्रंथालय एवं सूचना विज्ञान, आगरा, वाई० के० पब्लिशर्स
3. ओम प्रकाश: ग्रन्थालय एवं समाज, आगरा, वाई० के० पब्लिशर्स.
4. चंचरीक ,के.एल. पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान कोष (हिन्दी). न्यू दिल्ली. प्रभात प्रकाशन.
5. चक्रवर्ती, एच.के.पुस्तकालय एवं सूचना का आधार. (2009). पटना.नालंदा ओपन यूनिवर्सिटी,
6. शर्मा, बी.के., ठाकुर, यू.एम., त्रिपाठी, एम , और शौकीन, एन.एस. (2015). आगरा. पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान एवं सूचना प्रबंध (हिन्दी संस्करण). वाई.के. प्रकाशक.
7. Chakraborty, H. K., Chaudhary, K., & Singh, V. K. (2022). Fundamentals of Library and Information Science. Neo Era Publication. Bhagalpur.

क्रेडिट 4 पूर्णांक:75+25=100

द्वितीय प्रश्नपत्र
पुस्तकालय प्रबंध

इकाई १

- प्रबंध की अवधारणा एवं कार्य
- वैज्ञानिक प्रबंध के सामान्य सिद्धांत
- पुस्तकालय प्रबंध के तत्व (पोस्डकॉर्ब)

इकाई २

- पुस्तकालय के विभिन्न विभाग
- संग्रह विकास : पाठ्य सामग्रियों का चयन नीति एवं सिद्धांत, चयन स्त्रोत
- ड्यूवी, डरूरी, मैकाल्विन, रंगनाथन द्वारा दिए गए पुस्तक चयन के सिद्धांत

इकाई ३

- पाठ्य सामग्रियों का अधिग्रहण एवं तकनीकी प्रसंस्करण : सिद्धांत
- परिसंचरण : पद्धतियां, नैतिक कार्य एवं अभिलेख
- पुस्तकालय समिति

इकाई ४

- पुस्तकालय कर्मचारी श्रेणियां विशेषताएं एवं योग्यता
- पाठ्य-सामग्रियों का रखरखाव एवं संरक्षण, क्षरण के कारक
- भंडार सत्यापन (भौतिक सत्यापन)

इकाई ५

- पुस्तकालय सांख्यिकी एवं वार्षिक प्रतिवेदन
- पुस्तकालय वित्त एवं आय-व्ययक
- पुस्तकालय : भवन, फर्नीचर एवं उपकरण

संस्तुत ग्रन्थ :-

1. चक्रवर्ती, एच के पुस्तकालय प्रबंधन BLIS.(2011). खंड प्रथम एवं चतुर्थ.प्रयागराज. उत्तरप्रदेशराजर्षिटंडनमुक्तविश्वविद्यालय.
2. सिंह, आर.पी. (2000). पुस्तकालय संगठन और प्रशासन. बिहार हिंदी ग्रंथ अकादमी.
3. किसनी नवलानी, के एस., और त्रिखा, एस. (2010). जयपुर. पुस्तकालय प्रबंध.रावत पब्लिकैशन.
4. यदुवंशी, पृथ्वीराज. पुस्तकालय सूचना प्रबंधन प्रणाली. (2010). न्यू दिल्ली. यूनिवर्सिटी पब्लिकैशन.
5. त्रिपाठी, एस.एम., शर्मा, बी.ऑफ., लाल, सी., और कुमार, के. (1999). पुस्तकालय प्रबंध. आगरा. वाई.के. प्रकाशक.
6. Mittal, R. (2007). Library administration: Theory and practice. New Delhi: EssEss Publications.
7. Narayana, GJ. (1991). Library and information management. New Delhi: Prentice Hall of India.
8. Stoner, James A.F. et al. (1996). Management: Global perspectives. 10th ed. New Delhi: McGraw Hill Inc.
9. Ranganathan, SR. (1966)Library Book Selection. Bombay: Asia Pub. House.

क्रेडिट 4 पूर्णांक:75+25=100

तृतीय प्रश्नपत्र
पुस्तकालय वर्गीकरण(सिद्धांत)

इकाई १

- पुस्तकालय वर्गीकरण : परिभाषा, आवश्यकता एवं उद्देश्य
- ज्ञान वर्गीकरण एवं ग्रंथ वर्गीकरण

इकाई २

- पुस्तकालय वर्गीकरण पद्धतियों के प्रकार (स्पेसिज)
- पांच मूलभूत श्रेणियां : सामान्य परिचय

इकाई ३

- एकल : सामान्य एवं विशिष्ट
- पुस्तकालय वर्गीकरण के उपसूत्र

इकाई ४

- अंकन : परिभाषा, आवश्यकता, कार्य एवं उत्तम अंकन के गुण
- क्रमांक अंक की अवधारणा : वर्गांक, ग्रंथाक एवं संग्रहांक

इकाई ५

- दशमलव एवं द्विबिंदु वर्गीकरण पद्धतियों का विस्तृत एवं तुलनात्मक अध्ययन
- स्मृति, विधियां एवं दशा संबंध

संस्तुत ग्रन्थ :-

1. मिश्र, पी.के., जैन, र., . (2008). पुस्तकालय वर्गीकरण एवं सूचीकरण, न्यू दिल्ली .रजत प्रकाशन,
2. ध्यानी, पुष्पा पुस्तकालय वर्गीकरण, दिल्ली, नेहा पब्लिशर.
3. त्रिपाठी, पी० एम०: ग्रन्थालय वग्रीकरण के मूल तन्त्रः आगरा, वाई० के० पब्लिशर.
4. सतीजा, एम. पी., सिंह, के. पी. कोलोन क्लैसफकैशन (2010). न्यू दिल्ली. एसस एसस पब्लिकैशन,
5. शर्मा, पी.एस.के. (2010). पुस्तकालय वर्गीकरण सिद्धांत (हिन्दी संस्करण). न्यू दिल्ली. रावत पुस्तकें.
6. भार्गव ,जी.डी ग्रंथालय वर्गीकरण. भोपाल, म.प्र. हिंदी ग्रंथ अकादमी.
7. चंपावत ,जी.एस. पुस्तकालय वर्गीकरण के सिद्धांत. जयपुर आर.बी.एस.ए. 1994
8. Krishan Kumar: Theory of Classification Delhi, Vikas Publishing House, 1993
9. Ranganathan, S. R. (1962). Elements of library classification. Bombay: Asia Publishing
10. Ranganathan, S. R. & Gopinath, M. A.(1989). Prolegomena to Library Classification

क्रेडिट 4 पूर्णांक:60+40=100

चतुर्थ प्रश्नपत्र
पुस्तकालय वर्गीकरण (प्रायोगिक)

- प्रलेखो का वर्गीकरण : द्विबिंदु तथा दशमलव वर्गीकरण पद्धतियों के नवीन संस्करण के अनुसार अध्ययन ।

नोट:

1) 30 अंक द्विबिंदु तथा 30 अंक दशमलव वर्गीकरण पद्धति के लिए निर्धारित होंगे ।
2) 40 अंक मौखिक एवं सत्रीय कार्य के लिए सुरक्षित है ।

सत्रीय कार्य :

- 200 शीर्षकों का दोनों पद्धतियों के आधार पर वर्गीकरण।

संस्तुत ग्रन्थ :-

1. चंपावत,.जी.एस.कोलन वर्गीकरण एक व्यावहारिक.(2023). न्यू दिल्ली. आरपीएच प्रकाशन.
2. Ranganathan, S. R. (1960). Colon Classification (6th Edition), (Madras Library Association Papers Series).
3. Osborn J. (1982). Dewey decimal classification 19th edition : a study manual. Libraries Unlimited
4. Chaudhary, S. K. (2013). Dewey Decimal Classification. New Delhi. APH Publishing Corporation.
5. Sen, B. K. (2008). DDC Readymade. New Delhi. Ess Ess Publications.
6. Satija, M. P. (2002). *Manual of practical colon classification*. Concept Publishing Company.
7. Ranganathan, SR: Elements of Library Classification. 3rd ed. Bombay, Asia Pub. House, 1962.
8. Ranganathan, SR: prolegomena to Library Classification. Assisted by M A Gopinath. 3rd ed. Bangalore, SRELS, 1969.

सेमेस्टर-II

क्रेडिट 4 **पूर्णांक**:75+25=100

पंचम प्रश्नपत्र

पुस्तकालय सूचीकरण (सिद्धांत)

इकाई १

- पुस्तकालय सूचीकरण : परिभाषा, आवश्यकता, उद्देश्य एवं कार्य
- पुस्तकालय सूची का भौतिक एवं आंतरिक स्वरूप
- वाङ्मय सूची और पुस्तकालय सूची मे अंतर

इकाई २

- सूची सहिताओ का इतिहास एवं विकास
- एएएसीआर- II और सीसीसी की प्रमुख विशेषताएं

इकाई ३

- विषय सूचीकरण : श्रृंखला प्रक्रिया, विषय शीर्षक सूची
- केंद्रीकृत सूचीकरण
- सहकारी सूचीकरण

इकाई ४

- सूचीकरण के उपसूत्र
- संघीय सूची एवं ओपेक (OPAC)

इकाई ५

- अंतरराष्ट्रीय मानक वाङ्मयात्मक विवरण (आईएसबीडी), मार्क
- लेखक के प्रकार : व्यक्तिगत, समष्टि एवं कल्पित

संस्तुत ग्रन्थ :-

1. चक्रवर्ती, एच.के., (2009) पुस्तकालय सूचीकरण (सिद्धांत) B.L.I.S .पटना.नालंदा ओपन यूनिवर्सिटी.
2. शर्मा, पी.एस.के. (2015). पुस्तकालय सूचीकरण सिद्धांत (प्रथम संस्करण). न्यू दिल्ली. प्रभात प्रकाशन.
3. सिद्दीकी, जेए. हुसैन, मो. साबिर और शर्मा, बी.के. , (2018) ग्रन्थों की सूचीकरण प्रक्रिया . आगरा, वाई.के. पब्लिशर्स.
4. शर्मा, पाण्डेय एस० के०. पुस्तकालय सूचीकरण के सिद्धान्त, नई दिल्ली, प्रभात प्रकाशन.
5. अग्रवाल (एस.एस.). ग्रंथालय सूचीकरण. भोपाल.म.प्र. हिंदी ग्रंथ अकादमी.
6. गिरिजा कुमार और कृष्ण कुमार: सूचीकरण के सिद्धांत.(1992). दिल्ली, विकास पब्लिकैशन.
7. Sharma, Pandey S. K. (1986). Cataloguing Theory. New Delhi: EssEss Publication.
8. Viswanathan, C. G. (1983). Cataloguing: Theory and Practice. Lucknow: Print House.
9. Shera, Jesse H. & Eagan, Margret E. (1956). Classified Catalog: basic principles and practices. Chicago: American Library Association.
10. Sengupta, B. (1974). Cataloguing: Its theory & practice. Calcutta: World Press.

क्रेडिट 4 **पूर्णांक:60+40=100**

षष्ठ प्रश्नपत्र

पुस्तकालय सूचीकरण (प्रायोगिक)

- पुस्तक, सामान्य पत्रिकाओं तथा अन्य पाठ सामग्रियों का एएसीआर- IIके नवीनतम संस्करण के अनुसार सूचीकरण का प्रयोगिक अध्ययन ।

नोट:

1) 60 अंक एएसीआर- II पद्धति के लिए निर्धारित है ।
2) 40 अंक मौखिक एवं सत्रीय कार्य के लिए सुरक्षित है ।

सत्रीय कार्य :

- 50 ग्रंथों तथा 10 पत्रिकाओं का एएसीआर- IIपद्धति से सूचीकरण

संस्तुत ग्रन्थ :-

1. सूद, एस.पी. लोटस प्रैक्टिकल कैटलॉगिंग (प्रायोगिक सूचीकरण) सीसीसी और एएसीआर-2आर खंड द्वितीय सॉल्वड पेपर. लोटस प्रकाशन.
2. लाल, औरकुमार. (2006).प्रयोगात्मक सूचीकरण सिद्धांत. ईएस एसईएसएस प्रकाशन.
3. Lal, C., & Kumar, K. (2007). Practical Cataloguing AACR=2
4. Maxwell, R. L. (2004). Maxwell's Handbook for AACR2. 2003. ALA
5. Ranganathan (S.R.): Cataloguing: Practice.
6. Vishwanathan (C.G.): Cataloguing: Theory and Practice.
7. Sehgal, R.L. (2007). Cataloguing Practice AACR-II. New delhi. Ess Ess Publications.

क्रेडिट 4 पूर्णांक:75+25=100

सप्तम प्रश्नपत्र
सूचना स्रोत, सेवाएं और प्रौद्योगिकी

इकाई १

- सूचना की अवधारणा तथा आधुनिक समाज में सूचना आवश्यकता
- सूचना स्त्रोत की अवधारणा एवं प्रकार: प्राथमिक द्वितीय एवं तृतीयक स्त्रोत

इकाई २

- वाङ्मयात्मक स्त्रोत (आई एन बी , बी एन बी)
- सारकरण एवं अनुक्रमणिका सेवा

इकाई ३

- सामयिक अभिज्ञता सेवा (CAS)
- चयनात्मक सूचना प्रसार सेवा (SDI)
- अनुवाद सेवा
- प्रतिलिपिकरण सेवा

इकाई ४

- कम्प्यूटर: परिभाषा एवं अवयव
- पीढ़ियों एवं प्रकार
- नेटवर्किंग : परिभाषा, आवश्यकता, प्रकार

इकाई ५

- सूचना संग्रह एवं पुनर्प्राप्ति : अवधारणा
- पुस्तकालय स्वचालन तथा पुस्तकालय के गृह कार्य में कंप्यूटर का अनुप्रयोग
- पुस्तकालय स्वचालन - सॉफ़्टवेयर
- इंटरनेट आधारित सेवाएं

संस्तुत ग्रन्थ :-

1. शर्मा, बी.के., और ठाकुर, यू.एम. (2013).पुस्तकालय सूचना विज्ञान एवं सूचना प्रौद्योगिकी विवेचनात्मक अध्यन (2 खंड). वाई.के. प्रकाशक
2. सरकार, व. किशोर, अ.,चक्रवर्ती, एच.के.(2012).सूचना संचार प्रौद्योगिकी एवं पुस्तकालय स्वचालन.दिल्ली. निर्मल पब्लिकैशन
3. शर्मा, बी.के. (2015). सूचना स्त्रोत,उपयोक्ता, प्रणाली, सेवाएँ एवं प्रौद्योगिकी .
4. कमल, के.के., प्रलेखन और सूचना विज्ञान. पटना. जानकी प्रकाशन
5. यदुवंशी, पृथ्वीराज. संदर्भ सेवा एवं संदर्भ स्त्रोत. (2009). यूनिवर्सिटी पब्लिकैशन, न्यू दिल्ली
6. लाल, सी ग्रंथालय एवं आधुनिक प्रौद्योगिकी. (2009). न्यू दिल्ली. एसस एसस पब्लिकैशन
7. किशोर, ए. (2020). पुस्तकालय एवं सुचना विज्ञान के त्वरित सन्दर्भ: पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान.जयपुर. एकेबी प्रकाशन.
8. Ranganathan, S. R. (Latest Reprint). Reference Service. Ed. Madras: Sarda Ranganathan Endowment for Library Science
9. Ranganathan, S. R. Documentation, and Its Facts. Bombay: Asia.
10. Chowdhury, G. G., & Chowdhary, S. (2001). Searching CD-ROM and Online Information Sources. London: Library Association.

क्रेडिट 4 पूर्णांक:75+25=100

अष्टम प्रश्नपत्र
पाण्डुलिपि विज्ञान

इकाई १

- पाण्डुलिपि विज्ञान : परिभाषा क्षेत्र एवं महत्त्व
- पाण्डुलिपि का आधार : काष्ठ पट्टिका, छाल, पत्र,वस्त्र, धातु पत्र तथा कागज

इकाई २

- भारत में पाण्डुलिपियों के अन्वेषण का संक्षिप्त इतिहास
- प्रमुख प्राचीन भारतीय लिपियों का परिचय : ब्राह्मी, खरोष्ठी, शारदा,और देवनागरी लिपि

इकाई ३

- पाण्डुलिपियों के वर्गीकरण तथा सूचीकरण के परम्परागत विधियां
- पाण्डुलिपियों के प्रमुख प्रकाशित सूचियों का अध्ययन: सरस्वती भवन पुस्तकालय की पाण्डुलिपियों के विवरणात्मक सूची , कैटालॉगस, केटलोगोरम, द न्यू कैटालॉगसकेटलोगोरम

इकाई ४

- प्रमुख पाण्डुलिपि पुस्तकालय, संग्रहालय एवं अभिलेखागार : सरस्वती भवन पुस्तकालय,वाराणसी, एशियाटिक सोसायटी, कोलकाता, भंडारकर प्राच्य शोध संस्थान, पुणे

इकाई ५

- पाण्डुलिपियों का परिरक्षण एवं संरक्षण : अवधारणा, आवश्यकता, क्षरण के कारक, पाण्डुलिपि संग्रहण एवं सुरक्षात्मक उपाय
- विभिन्न परीक्षणात्मक तकनीकी : लेमिनेशन, फोटोस्टेट, स्कैनिंग, माइक्रोफिल्मिंग एवं आधुनिक तकनीकी तथा डिजिटाइजेशन

संदर्भ ग्रंथ :

1. [illegible]
2. [illegible]
3. [illegible]
4. [illegible]
5. [illegible]